

[illegible]

इस हाशिए में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

[Full Marks : 300

about 700 to 800 words : 100
शब्दों में एक निबंध लिखिए :

ling the mysteries of the

क है

ral economy of the nation

क बना सकते हैं

: and corruption

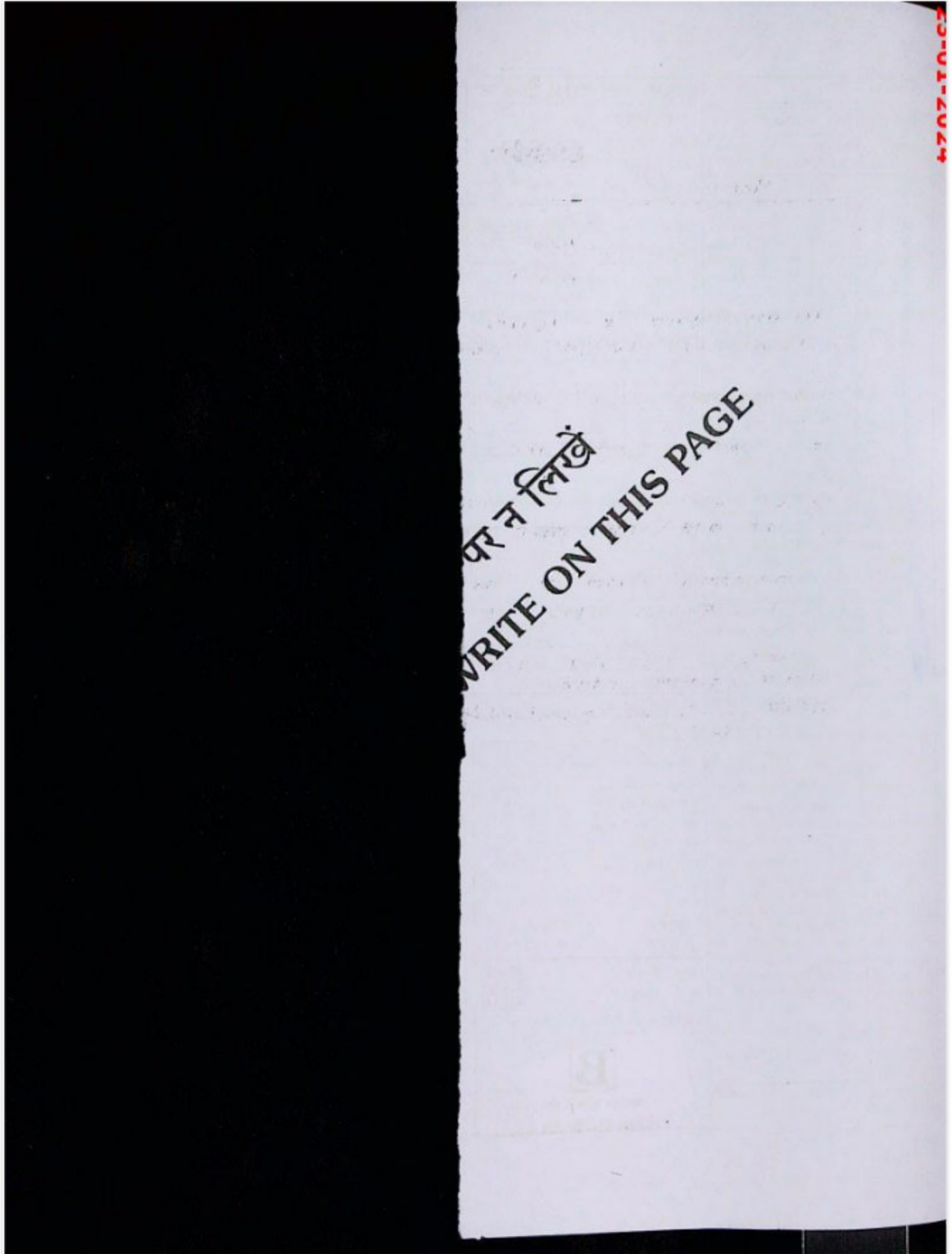
कारण है

onized human awareness

नोलॉजी के प्रति जागरूकता में

५० स्वामिनाथन
मरलीय अमोघवशा
शरीर मी है।”
न वसलि
एड हसि
अन संख्या बा

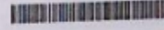
ICB



[Join Telegram: BPSC Network](#)

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

3



इस हार्जिए में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

ESSAY

Time : 3 Hours]

[Full Marks : 300

Section—I

खण्ड—I

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

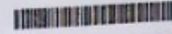
1. ☐ Science and technology are helpful in understanding the mysteries of the universe
विज्ञान और प्रौद्योगिकी ब्रह्मांड के रहस्यों को जानने में सहायक हैं
2. ☒ Improving the agricultural system can support the rural economy of the nation
कृषि व्यवस्था में सुधार कर देश के ग्रामीण अर्थतंत्र को सशक्त बना सकते हैं
3. ☐ Black money economy is the main cause of crime and corruption
काले धन की अर्थव्यवस्था अपराध और भ्रष्टाचार का प्रमुख कारण है
4. ☐ The modern communication revolution has revolutionized human awareness of means of communication and technology
आधुनिक संचार क्रांति ने मानव के संचार के साधनों और टेक्नोलॉजी के प्रति जागरूकता में क्रांतिकारी रूप से वृद्धि की है

प्रसिद्ध वैज्ञानिक एस. एस. स्वामीनाथन
का कहना था - “कृषि भारतीय आर्थिकता
की रीढ़ ही नहीं पूरा शरीर भी है।”
स्वामीनाथन जी का यह कथन इसलिए
भी सटीक है क्योंकि भारत एक कृषि
प्रधान देश है। ग्रह की जनसंख्या का

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (X) कर दें
Please Cross (X) unused space

प्रश्नों के सामने
दिए गए बॉक्स में
Tick (X) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

4



इस इच्छित में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

लगभग 70-75 प्रतिशत कृषि कार्य में लगी
हुई हैं। यह देश के लोगों के लिए
रोजगार का साधन होने के साथ-साथ
सफल कौशल उत्पाद में योगदान देती
है, साथ ही निशानों के जरिए विदेशी
मुद्रा भी अर्जित करती है।

भारत की कृषि व्यवस्था मुख्यतः
पारंपरिक तरीकों पर निर्भर है। यह
जीवन निर्वाह के लिए की जाती रही
है। प्राचीन काल में जब जनसंख्या
सीमित थी तब पारंपरिक तरीकों का
प्रयोग करते भी जीवन निर्वाह संभव
था। जब अव्यवस्था के केंद्र होते
थे तब भारतीय अव्यवस्था विश्व
की सबसे तेजी से बढ़ने वाली
अव्यवस्थाओं में से एक थी।

कृषि समाजों में यह क्राह्मण
मिलता है कृषि जीवन निर्वाह के लिए
प्राप्त थी। परंतु जैसे-जैसे जनसंख्या

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



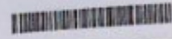
में वृद्धि हुई, संसाधनों की मांग बढ़ने
लगी तथा अचिर उत्पन्न एवं उत्पादकता
प्राप्त करने के लिए इसी व्यवस्था में
सुधार की जरूरत महसूस हुई।

इस व्यवस्था में सुधार कर न
सिर्फ देश को प्रगति के नए आयाम
प्राप्त होंगे बल्कि वो ग्रामीण अर्थतंत्र
जो प्राचीन काल से ही ~~अर्थ~~ भारतीय
अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है, उसे सशक्त
कर सकते हैं। इसके लिए हमें दो
प्रश्नों का उत्तर देना होगा। पहला
कि इस व्यवस्था में कौन से
सुधार दिए जा सकते हैं? तथा दूसरा
क्या वन सुधारों से ग्रामीण अर्थतंत्र
सशक्त बन पाएगा?

पहले प्रश्न के उत्तर के लिए हमें
विविध विभिन्न देशों की इस व्यवस्था
में सुधार को समझना होगा। इसका सबसे
अच्छा उदाहरण हैलफोर्निया मॉडल है

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

6

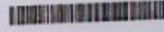


इस दफ्तर में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

जहाँ सिंचाई है उस साधन द्वारा
जहाँ जलवायिक हवाएं एवं मिट्टी बहुत
ज्यादा अनुकूल न होने पर भी तकनीक
एवं विज्ञान की सहायता से कृषि
क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवर्तन किए गए।
अतः कहा जा रहा मानने में कोई समस्या
नहीं है कि कृषि में तकनीकी सुधार
जरूरी है। इन सुधारों में अच्छी
गुणवत्ता के बीज, सिंचाई के साधन,
फसल निरीक्षण तथा तकनीकों का प्रयोग
हर रोज उत्पादकता तथा उत्पादन में
वृद्धि की जा सकती है।

भारत में हरित क्रांति के समय
भी ऐसे उपायों से अपनाया गया जिससे
भारत को संपूर्ण आयातक देश से
निर्जातक देश में बदल गया। परंतु
किसी कुछ नकारात्मक प्रभाव भी रहे
जैसे - मिट्टी की लवणता बढ़ने से उर्वरा
शक्ति का कम होना तथा भू-जल
स्तर का कम होना। अतः कृषि व्यवस्था

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



में ऐसे सुधार किए जाए जो न सिर्फ
उत्पादन और उत्पादकता को ध्यान में रखे
बल्कि पर्यावरण तथा जलवायु परिवर्तन
को भी ध्यान में रखे।

कृषि व्यवस्था में तकनीकी सुधार के
अतिरिक्त संस्थागत सुधार भी जरूरी हैं।
उनमें श्रीम सुधार तथा संस्थागत ऋण
उपलब्धता जैसे - सुधार शामिल हैं।

परंतु अब दूसरा प्रश्न यह है कि
क्या इस सुधार से देश का ग्रामीण
अर्थतंत्र वास्तव में सुदृढ़ होगा? इस
प्रश्न के उत्तर के लिए इस तथा ग्रामीण
अर्थतंत्र के बीच के संबंध का विश्लेषण
जरूरी हो जाता है।

गाँव की सर्वमान्य परिभाषा के
अनुसार जहाँ 75 प्रतिशत से ज्यादा लोग
कृषि क्षेत्र में संलग्न हों। ग्रामीण अर्थतंत्र
को इस क्षेत्र में धान, तिल, जल
संबंध हैं। इस ग्रामीण अर्थतंत्र के

प्रश्नों के सामने
दिए गए बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएं।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

8



इस हार्डिक में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

~~मुख्य~~ अखिलेश्वर रोजगार कृषि पर निर्भर
होती है। ग्रामीण अर्थतंत्र ~~क~~ कृषि उत्पादन
के माँग और पूर्ति पर टिका होता है।
ग्रामीण अर्थतंत्र तभी सुरक्षित हो सकता
है जब कृषि एवं सहवर्ती क्रियाकलापों के
माँग तथा पूर्ति में संतुलन बना रहे।

माँग तथा पूर्ति का यह संतुलन
तभी बना रहे सकता है जब ग्रामीण
अर्थतंत्र की माँग के अनुसार कृषि ~~क~~
उत्पादन करे। परंतु जनसंख्या वृद्धि,
जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक आपदाएँ जैसी
व्यवस्थाएँ न सिर्फ़ इस उत्पादन को
उस करती हैं बल्कि माँग और पूर्ति
को असंतुलित भी करती हैं।

कृषि में तकनीकी सुधार ऐसे उत्पादन
एवं उत्पादकता बढ़ाएँ जा सकती हैं। जिससे
~~क~~ ज्यादा जनसंख्या के लिए खाद्य सुरक्षा
संभव हो पाएगी। वहीं इसी तरह

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
दिये गये बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

9



इस दृष्टि से
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

कृषि में संस्थागत सुधार करने होंगे।
असंस्थागत रूप स्त्रोत से फुटकरा मिलेगा
जिससे किसानों की आवाज तो बड़ेगी ही साथ
ही किसानों की आत्महत्या के मुद्दे भी
उभ होंगे।

महात्मा गांधी ने भी 'आत्मनिर्भर
जाव' का विचार दिया था और बड़का
ग्रह भी मानना तथा गैर आत्मनिर्भर
जाव संपूर्ण भारत की अवस्था को
सजबूत बनाएँगे।

परंतु ग्रामीण अवस्था का संश्लिष्ट
बिना कृषि में सुधारों से नहीं होगा
बल्कि इसके लिए कृषि के सहकारी क्षेत्र
जैसे - पशुपालन, मछलीपालन इत्यादि पर
भी ध्यान देना होगा। इसके अतिरिक्त
ग्रामीण अवस्था के संश्लिष्ट के लिए
कृषि क्षेत्र के साथ-साथ शैक्षणिक
प्रशिक्षण एवं औद्योगिक प्रशिक्षण के द्वारा
सेवा के उद्योग क्षेत्र पर भी ध्यान देना

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
दिये गये हैं।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

10



इस हार्डिक में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

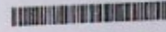
होगा।

कृषि क्षेत्रों में
कृषि क्षेत्रों में
माल डा भी डाई डाली है। इन डाली
माल है ज़रिए किसानों की आर्थ में
कृषि की जा सकती है। इस संदर्भ में
कृषि में निजी निवेश तथा अनुसंधान आवाही
कृषि की अवधारणा प्रचलन में है।

ग्रामीण क्षेत्रों के सशक्तिकरण के
लिए डिजिटल कृषि को अपनाना पड़ेगा।
विभिन्न ऐप्स के ज़रिए जलवायु फ़ार्माओं
को ध्यान में रखकर बेहतर उत्पादन
एवं उत्पादों का प्राप्त की जा सकती है।

वर्तमान में विभिन्न स्तर की
सहकार केन्द्र तथा राज्य स्तर पर कई
योजनाओं का कार्यान्वयन भी चल रहा
है जो कृषि क्षेत्रों में सुधार लाने
ग्रामीण क्षेत्रों को सशक्त बनाएँगे।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



लिए ~~हैं~~ हस्तसंकल्पित हैं। इन योजनाओं
में हरित क्रांति 2.0, न्यूनतम समर्थन प्रणाली,
प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि वगैरह
प्रमुख हैं।

ग्रामीण क्षेत्रों को मजबूत करने के
लिए सरकार द्वारा मत्स्य संपदा योजना
तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने
के साथ-साथ कृषि निर्गत क्षेत्र ~~विकास~~
कृषि निर्गत को बढ़ावा देने के लिए
कृषि निर्गत नीति का भी अनुसरण किया
जा रहा है।

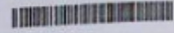
हालांकि इन योजनाओं के क्रियान्वयन
में समस्याएँ हैं। इनमें बुलन्दशर की एक
प्रमुख समस्या दिखी है। काम गोंडवी
रहते हैं -

“तुम्हारी फाँसों में जाँव रा मौसम गुलाबी है।
मगर ये हाँवे सूँठे और आँसूँ डिलीपी है।”

संश्लेषण : ग्रामीण क्षेत्रों का
व्यवस्थापन कृषि व्यवस्था में सुधार के

इसमें के सामने
बने चही बॉक्स में
Tick (X) का
प्रिशन लगाई।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

12



इस हॉरिजेंट में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें।
Candidates
should not
write in this
margin

अतिरिक्त लक्ष्य उद्योगों को बढ़ावा देने से
हो पाएगा/इससे लिए न सिर्फ कृषि
क्षेत्र में बल्कि पूरे ग्रामीण क्षेत्रों
को समेकित दृष्टि से देखने हुए
वसत, समावेशी तथा सहज गांव की
परिचलपना की जा सकती है। वर्तमान में
बिहार सरकार की सात मिशन 2.0 योजना
भी वही मार्ग पर आगे बढ़ रही है।

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (X) कर दें
Please Cross (X) unused space

प्रश्नों के सामने
बने सही बॉक्स में
Tick ☐ का
निशान लगाएँ।
Mark Tick ☐
in the
appropriate
box in front of
Question No.

13

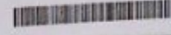


इस हविर् में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

इसमें के सामने
बने सही बोझ में
Tick (X) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

14



इस हार्मिग में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

4207-10-03

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (X) कर दें
Please Cross (X) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के छानने
के सही बॉक्स में
Tick (X) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

15



इस हानिद में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (X) कर दें
Please Cross (X) unused space

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) या
Mark (X) करें।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

16

Section—II

खण्ड—II

इस दस्तावेज़ में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें।
Candidates
should not
write in this
margin

Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

5. ☒ Current status of women empowerment : In perspective of political empowerment
महिला सशक्तिकरण की वर्तमान स्थिति : राजनैतिक सशक्तिकरण के परिप्रेक्ष्य में
6. ☐ Need and importance of Yoga for spiritual progress and physical and mental development
आध्यात्मिक उन्नति तथा शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए योग की आवश्यकता और महत्त्व
7. ☐ Advantages and disadvantages of the New Education Policy, 2023
नई शिक्षा नीति, 2023 के फायदे और नुकसान
8. ☐ Impact of climate change on Indian agriculture and prevention measures
भारतीय कृषि पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव तथा बचाव के उपाय

भारतीय संविधान निर्माता डा०
भीमराव अंबेडकर ~~ने~~ ~~आप~~ ने एक बार
कहा था, "मैं किसी समाज की प्रगति
का आकलन वहाँ की महिलाओं की
स्थिति से करता हूँ।"

अंबेडकर की इन पंक्तियों के द्वारा
समाज या राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं
के योगदान को समझा जा सकता है।
प्राचीन काल से लेकर वर्तमान तक

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

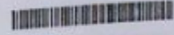


महिलाएँ समाज की प्रगति में किसी-न-
किसी रूप में योगदान देती आ रही हैं।
ऋग्वेद में भी हमें जागीर तथा अपाला-
जैसी महिलाओं के उदाहरण मिलते हैं।
~~सदृश~~ प्राचीन काल में कई महिला शासकों
के भी उदाहरण मिलते हैं जिसमें कार्त्तिक
वंश की सुमादेवी प्रमुख हैं।

मध्ययुग में दिल्ली सुल्तानों में
बजिया सुल्तान जैसी शासिकाओं को
देखा जा सकता है। इसके बाद औपनिवेशिक
काल में राजनीतिक अधिकारों की प्राप्ति
तथा स्वतंत्रता संघर्ष में अनेक महिलाएँ
प्रमुख रही।

भाजाही के बाद से वर्तमान तक
महिलाओं की स्थिति राजनैतिक स्तर पर
करने के लिए हमें विभिन्न चरणों में
महिलाओं के सशक्तिकरण की प्रक्रिया को
देखना होगा।

लेकिन इससे पहले प्रश्न यह उठता
है कि महिला सशक्तिकरण का क्या अर्थ
है? इसकी क्या स्थिति रही है? वर्तमान

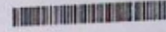


परिप्रेक्ष्य में राजनैतिक स्तर पर भारत एवं
विश्व में इसकी क्या स्थिति है? क्या यह
स्थिति संतोषजनक है? अगर नहीं तो
आगे क्या किया जा रहा है और क्या
किया जा सकता है?

महिला सशक्तिकरण को कई अर्थों
में समझा जाता रहा है परंतु इसकी
सबसे सर्वमान्य परिभाषा रही है कि
जब महिलाएं अपने निर्णयों को करने
में स्वातंत्र्य हो जाए। वर्तमान संदर्भों
में बात की जाए तो वह पक्रिया
के रूप में चल रहा है।

महिलाएं कुल जनसंख्या की लगभग
50 प्रतिशत होती हैं। ऐसे में राजनैतिक
स्तर पर उनका सशक्तिकरण जरूरी है,
जिसे स्त्री विवेकानंद की भाषा में समझा
जा सकता है -

“मनुष्य एक पंख से उड़ान भरने की
कोशिश कर रहा है। अगर नारी कभी
दूसरा पंख भी उसमें जुड़ जाए तो



समाज एवं राष्ट्र उन्नति की नई शैचरिओ
को प्राप्त कर लेगा।”

वैश्विक स्तर पर महिलाओं की
राजनीति में भागीदारी की बात करें
तो कई विकसित देश इसमें बहुत
पीछे नजर आते हैं। उदाहरण के लिए
संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे विकसित देश
में भी अब तक कोई महिला राष्ट्रपीत
न बनना विकास के मौल पर
प्रश्नचिन्ह खड़े करता है।

हालांकि कुछ स्कैंडेनेवियन देश
जैसे फिनलैंड नार्वे स्वीडन तथा
कुछ अन्य देश जैसे- स्विट्जरलैंड की
स्थिति महिलाओं के राजनीतिक सक्रियकरण
के मामलों में अच्छी दिखती है। इनमें से
कुछ देश तो ऐसे भी हैं जहाँ के
संसदों में 50% से अधिक महिलाएँ हैं।
असुरे अवस्थित कुछ देश ऐसे भी हैं
जहाँ यह प्रक्रिया तेजी से चल रही है।
जैसे- इरली में जॉर्जिया मेलोनी का
प्रधानमंत्री चुना जाना।

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

20

हालांकि एशिया के देश जैसे - चीन, जापान तथा भारत वसू मामले में पिछड़े से नजर आते हैं। भारत की वार्षिक जी.डी.पी. वर्तमान में कुल 82 महिला संसद सदस्य हैं जो कुल संसद का मात्र 15 प्रतिशत हैं। राज्य विधानसभाओं की स्थिति भी कुछ ऐसी है। जहाँ महिला प्रतिनिधित्व मात्र 10 प्रतिशत के आस-पास है।

हालांकि 73 वें तथा 74 वें संशोधन अधिनियम, 1992 के द्वारा पंचायती राज में महिलाओं को 93 प्रतिशत आरक्षण दिया जाना महिलाओं के राजनैतिक सशक्तिकरण की दिशा में अग्रगण्य कदम रहा है। कुछ राज्यों जैसे बिहार ने तो यह आरक्षण बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर दिया जिससे न सिर्फ पंचायतों तथा नगरपालिका स्तर पर महिलाओं को अपने राजनैतिक अधिकारों का ज्ञान हुआ बल्कि वे आर्थिक तथा सामाजिक

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

इस प्रश्न का
उत्तर न दें।
Candidate
should
write in
margin



रूप से भी स्वागत हुई है। पंजाबी राज
मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार पंजाबियों
में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 56.4% है।

लेकिन महिलाओं के स्वाधिकार की
गह प्रतिष्ठा मिले ही नहीं हो और
देश की पहली आदिवासी महिला राष्ट्रपति
के रूप में द्रौपदी मुर्मू पर हो
व्यवस्थित दर रही हो परंतु चारतल पर
कई ऐसी चुनौतियां हैं जिसका समाधान
बिना महिलाएं राजनीतिक रूप से
स्वागत नहीं हो सकती।

इन चुनौतियों में सबसे बड़ी
चुनौती है साक्षरता में पूरी तथा राजनीतिक
जागरूकता का न होना। ~~केवल~~ 2011
की जनगणना में महिला साक्षरता दर केवल
65 प्रतिशत के आस-पास है जो गह
फिलाना है कि महिलाएं शिक्षा के स्तर
पर कम होने के कारण राजनीतिक रूप
से स्वागत नहीं हो पाती हैं।

दूसरी प्रमुख चुनौती है पितृसत्तात्मक
समाज एवं पुरुष प्रधानता। पंजाबियों

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

22



इस दस्तावेज़ में
उपरोक्त
कुछ न लिखें।
Candidate
should not
write in the
margin

के स्तर पर वह बात होनी जाती रही
है कि महिलाओं के प्रतिनिधि चुने जाने
के बाद भी उसके प्रति आ पिछा उसके
हार्थों को करते हैं। ऐसे में राजनीति
में आने के बाद भी वह राजनीति
निर्णय लेने को स्वतंत्र नहीं है। अतः इसे
वास्तव में राजनीति स्थापित नहीं
माना जा सकता।

लेखनी चुनी है कि महिलाओं को
समाज ने अल्पोत्तर मानते हुए दारों
के भीतर रखा और उसे शिक्षा से
वंचित रखा। कहा भी गया है -

“विद्या हमारी भी न जब तक
काम में कुछ आएगी
अङ्गिणी को भी सुशिक्षा
दी न जब तक जाएगी।”

परंतु वर्तमान सरकार ने हाल
ही में 106 वें संविधान संशोधन के
अधीन नारी शक्ति वेंदन अधिनियम
पारित किया है जो महिलाओं को

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



लोकसभा, राज्य की विधानसभाओं तथा
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली की विधानसभा
में 33% आरक्षण का प्रावधान करता है।
हालांकि इसके क्रियान्वयन में भी कुछ
समस्याएँ हैं परंतु राजनीतिक सक्रियता
की दृष्टि से इसे एक बेहतर इम
के रूप में देखा जा सकता है।

इसके अतिरिक्त पंचायतों के स्तर
पर भी महिला प्रतिनिधियों का प्रशिक्षण
कार्यक्रम करके उनकी राजनीतिक जागरूकता
की जा रही है।

महिलाओं के राजनीतिक सक्रियता
के लिए कई वैश्विक प्रयास भी किए
गए हैं जिसमें नारीवाद के विभिन्न
उपागमों ने अपने स्तर पर राजनीतिक
सक्रियता की मांग व्यक्त की है। महिलाओं
से संबंधित विषयों का राष्ट्रीय एवं
अंतराष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित उसे जाना
किस बात का परिचायक है। नारीवादियों
ने ~~परिचय~~ 'Personal is political'

प्रश्नों के सामने
दिए गए बॉक्स में
Tick (✓) का
निशान लगाएं।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

इस प्रश्न
उत्तर में
कुछ न
Candide
should
write in
margin

तथा 'Women are not born but made'
जैसे नारों के द्वारा सशक्तिकरण की दिशा
में नया अद्ययावत जोड़ा है। हालांकि इस
दिशा में कागजों की बजाए खराब पर
बहुत सारा कार्य होना अभी भी जारी
है। पुस्तकवश अहम गोंडवी की कुछ
पंक्तियाँ यह बताती हैं -

"बुम्हारी फावलों में गाँव का मौसम गुलबी है
सगर से आँकड़े डूरे और हाँवे डिगबी है।"

समाजतः महिला सशक्तिकरण

समाजतः महिलाओं की स्थिति
राजनीतिक स्तर पर बेहतर हुई है।
महिलाएँ न सिर्फ राजनीतिक तौर पर
आपने अधिकारों के प्रति सजग हैं बल्कि
दूसरी महिलाओं को भी इससे प्रति जागरूक
कर रही हैं। हालांकि इस दिशा में अभी
आफ़ी कार्य दिशा जाना बाकि है, परंतु
वैश्विक स्तर पर महिलाओं की प्रगति
के वगैर मनुष्य की प्रगति के बारे में

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
दिये गये बॉक्स में
Tick (X) कर
मिशन लगाएँ।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

25



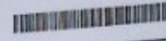
इस हार्डिप में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

स्त्रीयना भी बेईमानी लगती है, क्योंकि -
“नारी तुम नहीं हो अवला, नही हो असहाय
तुम्हारे बिन तो ~~को~~ जग ही संभव
न हो पाए।”

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
दिये गये बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

26



इस हानिहृ में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

4707-TA-C7

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
दिये गये बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

27



इस हार्जिए में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

Section—III

खण्ड—III

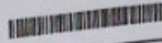
Write an essay on any **one** of the following topics in about 700 to 800 words : 100
निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर लगभग 700 से 800 शब्दों में एक निबंध लिखिए :

9. ☐ Bin samaj ke boli ho sakela ka, bin boli (Bhasha) samaj ho sakela ka!
बिन समाज के बोली हो सकेला का, बिन बोली (भाषा) समाज हो सकेला का!
10. ☐ Dhobiyak kukur nen ghar ke ne ghat ke
धोबियक कुकुर नें घर के ने घाट के
11. ☒ Agu nath nai pachhu pagaha, bina chhan ke kude gadha
आगु नाथ नै पाछू पगहा, बिना छान के कूदे गधा
12. ☐ Aner dhuner ke Ram rakhavar
अनेर धुनेर के राम रखवार

बिहार की प्रसिद्ध लौकौक्ति 'आगु
नाथ नै पाछू पगहा, बिना छान के कूदे
गधा' वास्तव में भारतीय संस्कृति के
अंदर सहायिता समाहित मानात्मक तथा
उपद्रष्टात्मक तत्त्व हैं जिसमें नाम का
सामान्य अर्थ खेल के नाक से बंधे रस्सी
से है जबकि पगहे का संबंध उसको
बांधकर रखे जाने वाले रस्सी से है।

यह लौकौक्ति मुख्यतः परम
स्वच्छतावादी की बात करती है कि
जो व्यक्ति परम रूप से स्वच्छ

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



होता है तथा जिसको वांछनों के
लिए न तो आगे कोई उतर होती
है और न पीछे। वह बिना विवेक
तथा चिंतन के कार्य करके उस
जगह के समान दिखाई पड़ता है जो
स्वयं कोई आत्मसंशोधन नहीं करता।

प्राचीन काल से लेकर वर्तमान
तक, भारत से लेकर वैश्विक स्तर
पर यह देखा जाता रहा है कि
किसी भी व्यक्ति की सफलता में
अनुशासन, समर्पण तथा शौचिता
का महत्वपूर्ण योगदान होता है। कहा
भी गया है -

“बिना बिगरे जो करें
सो पाछे पछितारे”

व्यक्ति की सफलता में अनुशासन
का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अनुशासन
के द्वारा समर्थकता आती है तथा
किसी भी कार्य को करने के लिए
निर्गोचन आसान हो जाता है। उदाहरण
के तौर पर यह क्रिकेट खिलाड़ी विराट कोहली



भाज वतने सफल इसलिए है क्योंकि उन्होंने
खुद को न सिर्फ क्रिकेट कोच के जैसे
नाम के अंतर्गत रखा है बल्कि अनुशासन,
कड़ी मेहनत तथा समर्पण जैसे पत्रों से
भी खुद को बांधा है।

ऐतिहासिक तौर पर कुछ हो या
महावीर, गांधी हो या लंगूर
इन सभी ने अनुशासन, समर्पण,
आत्मनियंत्रण, आत्मसंयमान इत्यादि के द्वारा
अपने जीवन को आगे बढ़ाया जिसके
कारण इन लोगों की सफलता हमारे
समाज के लिए एक आदर्श बन गई है।

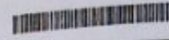
परंतु प्रश्न यह उठता है कि
व्यक्ति के जीवन में यह नाम कौन
है? असल में यह नाम परिवार, समाज,
व्यस्तिति, मित्र इत्यादि कोई भी हो सक्ता
है। ये नाम न सिर्फ व्यक्ति के
जीवन के मार्गदर्शक होते हैं बल्कि
अपने अनुभवों द्वारा जीवन के परम
सत्य की खोज में भी सहायक
होते हैं।

परंतु इसका दूसरा पहलू यह

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
सही घंटी चिह्न में
Tick (✓) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

30



इस दफ्तर में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

भी हैं कि ये नाथ इतने मजबूत
और कठोर नहीं होने चाहिए कि बल्ले
ही न आ सकें। उद्धारण के लिए जब
किसी व्यक्ति पर ज्यादा निर्विधान लगाए
जाते हैं तब उसके व्यक्तित्व का
उस तरह से विकास नहीं हो पाता
जो कम निर्विधान पर होता।

अंग्रेजी शासन के दौरान 1857
की क्रांति की असफलता का मुख्य
कारण एक साथ विद्रोह का शुरू न
होना (अनुशासन की कमी) तथा बेहतर
निष्ठा योजना का न होना था।

~~असफलता के कारण~~
नाथ के साथ-साथ व्यक्ति की
सफलता में पगड़े का भी महत्वपूर्ण
योगदान होता है। यह न सिर्फ कार्य होने
के बाद आत्म-अनुसंधान का एक अवसर
सृजित करता है बल्कि जिम्मेदारी का
भी एहसास करता है।

पगड़े तथा नाथ के होने के बाद
भी सफलता सुनिश्चित नहीं की जा

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



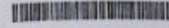
सकती। इसके लिए हर क्षेत्र में चाहे
राजनीतिक हो या सामाजिक, आर्थिक हो
या पर्यावरणीय, अपनी योजना के प्रभाव
की जांच-पड़ताल जरूरी है। उदाहरण के
लिए जब भारत में तीन नए कृषि
कानूनों को लाया गया तब इसके
मकारात्मक पक्ष पर ज्यादा ध्यान नहीं
दिया गया तथा बाद में सरकार को
इसे वापस लेना पड़ा।

राजनीति में जो कई ऐसे निर्णय
ले लिए जाते हैं जो लोक-लुभावन होते
हैं। उदाहरण के लिए फ्रीबीज का दिया
जाना। परंतु दीर्घकालिक स्तर पर ये
राष्ट्र के लिए प्रचिंत नहीं माने जा
सकते।

अब प्रश्न उठता है कि व्यक्ति
या समाज या राष्ट्र किसी निर्णय को
कैसे ले जो व्यक्ति, समाज तथा
राष्ट्र को उन्नति की नई दिशाओं पर
ले जाए। तो इसका जवाब है एक बेहतर
आकलन प्रणाली का इस्तेमाल करके
अपनी छुट्टि एवं विवेक का प्रयोग करके

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

32



इस कॉपी में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें।
Candidates
should not
write in this
margin

समाज पर उसके विस्तृत प्रभाव को
देखते हुए यह किया जा सकता है।
राम की शक्ति पूजा में जब शक्ति
रावण के पक्ष में होती है और राम
की तैयारी पूरी नहीं होती, तब जामवत
राम को समझाते हैं -

“शक्ति की करो मौलिक कल्पना
करो वंदन।

जब तक न सिद्धि हो,

रण छोड़ हो रघुनंदन॥” [राम की शक्ति
पूजा → निराला]

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री रोल्ड प्रेंस का
भी कहना है कि, “Any aim can be
achieved by a good planning and
better execution in a proper direction.”

परंतु कई बार ऐसी स्थितियाँ
भी आती हैं जब हमारे आगे-पीछे
कोई नहीं होता और किसी भी कार्य
के लिए तत्काल निर्णय लेना होता है।
ऐसे में योजना निर्माण के लिए समय
नहीं मिल पाता। ऐसे में हमारे निर्णय

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



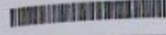
सही होंगे या गलत यह भविष्य की
जोड़ में होता है।

वर्तमान में जलवायु परिवर्तन एक
बड़ी समस्या बनकर उभरा है। छागर
विश्व के सभी देश साथ-मिलकर
निम्नवर्त तरीके से पर्यावरण प्रभाव आकलन
के जरिए योजना निर्माण तथा उस पर
अमल करे तो जलवायु परिवर्तन से
होने वाले बदले कम हो जाएंगे।

समग्रतः व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्र
की सफलता उसकी परिस्थितियों तथा
उसकी कार्ययोजना के क्रियान्वयन पर
निर्भर करती है। परम स्वच्छंदता निरंकुश
स्वतंत्रता लेकर जाती है तथा दूसरों की
स्वतंत्रता को कम करती है। ऐसे में
व्यक्ति को अपने विवेक, चिंतन, मनन
एवं आत्मसंख्यान के जरिए जिम्मेवारी
के साथ समाज तथा राष्ट्र हित में
एक कार्ययोजना बनाकर उस पर
समग्रवर्त तथा अनुशासित तरीके से
कार्य करना चाहिए, फिर सफल

प्रश्नों के सामने
दिए गए बॉक्स में
Tick (✓) का
निशान लगाएं।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

34



इस हार्जिफ में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

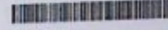
किसी भी मुश्किल हो जरूर मिलती है।
असह्य भी कहते हैं-

"श्रेय नहीं कुछ मेरा
में तो बुद्धि देव गथा आ ब्रह्म में
वीणा को न सादा रहा था
वस अपने को बोल रहा था।"
[असह्य वीणा]

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

उपरोक्त के सामने
सही उत्तर में
Tick (✓) कर
लिखें।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

35



इस हानि में
उम्मीदवार
लिखें न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
दिए गये बॉक्स में
Tick (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

36



इस स्थिति में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें।
Candidates
should not
write in this
margin

प्रश्नों के
सामने
दिए गये
बॉक्स में
टिक (✓) का
चिह्न लगाएँ।
Mark Tick (✓)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space

प्रश्नों के सामने
देखी जा रही है
Tick (X) का
निर्देशन लें।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
or in front of
Question No.

37



इस हार्मिंग में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (X) कर दें
Please Cross (X) unused space

Join Telegram: BPSC Network

प्रश्नों के सामने
सही जगहों पर
Tick (X) का
निशान लगाएँ।
Mark Tick (X)
in the
appropriate
box in front of
Question No.

38



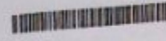
इस हानि में
उम्मीदवार
कुछ न लिखें
Candidates
should not
write in this
margin

4707-TA-C7

अप्रयुक्त स्थान को क्रॉस (x) कर दें
Please Cross (x) unused space



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान



SPACE FOR ROUGH WORK / रफ़ कार्य के लिए स्थान

24DK-00

Join Telegram: BPSC Network